

Real Estate, Retail, Logistics to Create Maximum Jobs in India

New Delhi: Sectors such as construction and real estate, beauty and wellness, organised retail, transport and logistics hold the maximum job potential in India in the near future, according to a report.

The ASSOCHAM-Thought Arbitrage Research Institute Paper noted that the country's information technology and IT-enabled services sector may add at best one million jobs in the next five years.

"The IT and ITeS, which is under pressure at present, in any case, was to expand at lesser pace in job creation. On the employment base of 3.3 million in 2013, the much-touted sector had an incremental human resource requirement of 2.2 million by 2022, of which about one million have been added in the last 3-4 years," the report pointed out.

It observed that the IT and ITeS is going through fresh challenges of technology upgradation, automation, visa restrictions in the US and increasing skill gaps.

"Thus, as a country which requires at least 15-20 million jobs a year, we need to look quite broader

and at those areas which expand not only in the export market but also within the country," ASSOCHAM Secretary General D S Rawat said.

Mapping the job potential, the paper found that on the employment base of 45.4 million in 2013, the building, construction and real estate (including infrastructure) would require 31.1 million incremental human resources.

"The sector has been the worst-hit because of multiple factors including high level debts and non-performing assets, delays in delivery of housing projects, and environmental and regulatory hurdles. We need to get these issues out of the way in a manner that it becomes a robust engine of job creation and economic growth," Rawat said.



Likewise, organised retail can create incremental level of at least 10-12 million new jobs in the next five years. Textiles and clothing can also be a potential area of job creation, the paper said, underscoring the need for skill upgradation in all those sectors of the economy which are largely focused on domestic demand. —PTI

Real estate, retail, logistics to create more jobs: Report

PRESS TRUST OF INDIA

NEW DELHI, 4 JUNE

Sectors such as construction and real estate, beauty and wellness, organised retail, transport and logistics hold the maximum job potential in India in the near future, according to a report.

The Assocham-Thought Arbitrage Research Institute Paper noted that the country's information technology and IT-enabled services sector may add at best one million jobs in the next five years. It observed that the IT and ITeS is going through fresh challenges of technology upgradation, automation, visa restrictions in the US and increasing skill gaps.

"Thus, as a country which requires at least 15-20 million jobs a year, we need to look quite broader and at those areas which expand not only in the export market but also within the country," Assocham secretary-general D S Rawat said. Mapping the job potential, the paper found that on the employment base of 45.4 million in 2013, the building, construction and real estate (including infrastructure) would require 31.1 million incremental human resources.

Likewise, organised retail can create incremental level of at least 10-12 million new jobs in the next five years. Textiles and clothing can also be a potential area of job creation, the paper said.

Real estate, retail, logistics to create maximum jobs in India

NEW DELHI: Sectors such as construction and real estate, beauty and wellness, organised retail, transport and logistics hold the maximum job potential in India in the near future, according to a report.

The Assocham-Thought Arbitrage Research Institute Paper noted that the country's information technology and IT-enabled services sector may add at best one million jobs in the next five years.

"The IT and ITeS, which is under pressure at present, in any case, was to expand at lesser pace in job creation. On the employment base of 3.3 million

in 2013, the much-touted sector had an incremental human resource requirement of 2.2 million by 2022, of which about one million have been added in the last 3-4 years," the report pointed out. It observed that the IT and ITeS is going through fresh challenges of technology upgradation, automation, visa restrictions in the US and increasing skill gaps.

"Thus, as a country which requires at least 15-20 million jobs a year, we need to look quite broader and at those areas which expand not only in the export market but also within the country," Assocham Secretary Gen-



eral D S Rawat said. Mapping the job potential, the paper found that on the employment base of 45.4 million in 2013, the building, construction and real estate (including infrastruc-

ture) would require 31.1 million incremental human resources.

"The sector has been the worst-hit because of multiple factors including high level debts and non-performing

assets, delays in delivery of housing projects, and environmental and regulatory hurdles. We need to get these issues out of the way in a manner that it becomes a robust engine of job creation and economic growth," Rawat said. Likewise, organised retail can create incremental level of at least 10-12 million new jobs in the next five years.

Textiles and clothing can also be a potential area of job creation, the paper said, underscoring the need for skill upgradation in all those sectors of the economy which are largely focused on domestic demand. PTI

रीयल एस्टेट में सबसे ज्यादा मौके होंगे

नई दिल्ली | एजेंसियां

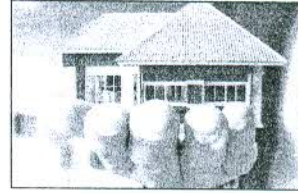
देश में निकट भविष्य में निर्माण और जमीन जायदाद के विकास, संगठित खुदरा, सौंदर्य एवं स्वास्थ्य, परिवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्र में सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

एसोचैम-थॉट आर्बिट्रेज रिसर्च इंस्टीट्यूट पेपर की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2013 में निर्माण और रीयल एस्टेट (बुनियादी ढांचा समेत) क्षेत्र में 4.54 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ था।

इस क्षेत्र में अगले पांच साल में 3.11 करोड़ अतिरिक्त लोगों की जरूरत होगी। इसी प्रकार संगठित खुदरा क्षेत्र में अगले पांच साल में कम से कम एक से 1.2 करोड़ नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। इसके अलावा परिधान और कपड़ा क्षेत्र

रिपोर्ट

- अगले पांच साल में रीयल एस्टेट में 3.11 करोड़ अतिरिक्त रोजगार
- संगठित खुदरा क्षेत्र में एक करोड़ से ज्यादा नए रोजगार मिलेंगे



में भी रोजगार सृजन की संभावना है। इसमें कहा गया है कि देश की सूचना प्रौद्योगिकी तथा आईटी युक्त सेवा क्षेत्र में अगले पांच साल में 10 लाख रोजगार सृजित हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल दबाव झेल रहे आईटी और आईटी संबद्ध क्षेत्र में रोजगार सृजन में वृद्धि की रफ्तार कम होने की संभावना पहले से ही थी। वर्ष 2013 में इस क्षेत्र में रोजगार आधार 33 लाख था और 2022 तक इसमें 22

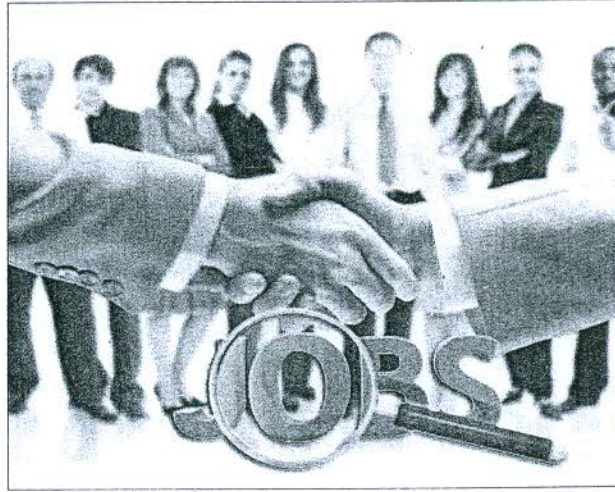
लाख और लोगों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 10 लाख पिछले तीन-चार साल में जोड़े जा चुके हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आईटी तथा आईटी संबद्ध क्षेत्र प्रौद्योगिकी उन्नयन, ऑटोमेशन, अमेरिका में वीजा प्रतिबंध तथा बढ़ता कौशल अंतर जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। एसोचैम के महासचिव डी. एस. रावत ने कहा है कि देश को साल में कम से कम 1.5 से दो करोड़ रोजगार की जरूरत है।

रियल एस्टेट और रिटेल सैक्टर दे सकते हैं सबसे ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसी): देश में निकट भविष्य में सबसे ज्यादा रोजगार की क्षमता कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट, ब्यूटी एंड वैलनैस, आर्गेनाइज रिटेल से लेकर ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सैक्टर में है।

यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। एसोचैम ने जारी रिपोर्ट में कहा है कि आई.टी. और आई.टी. से संबंधित सैक्टर अगले 5 साल में अधिक से अधिक 10 लाख जॉब्स दे सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह सैक्टर फिलहाल दबाव में है। इसके चलते यह ज्यादा तेजी से जॉब्स के ऑप्शन नहीं बढ़ा पाएगा। इस सैक्टर में 2013 तक 33 लाख लोग काम कर रहे थे।



कई चुनौतियां झेल रहा है आई.टी. सैक्टर

रिपोर्ट के अनुसार आई.टी. सैक्टर को 2022 तक 22 लाख और लोगों की जरूरत पड़ेगी। इसमें से करीब 10 लाख लोगों को लिया जा चुका है, ऐसे में अब 10 लाख लोगों को ही यह सैक्टर रोजगार दे सकेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि आई.टी. सैक्टर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें ऑटोमेशन, वीजा प्रतिबंध से लेकर स्किल की कमी तक की दिक्कतें शामिल हैं।

संगठित रिटेल में रोजगार की बड़ी संभावना

संगठित रिटेल में रोजगार देने की व्यापक संभावना है। यह सैक्टर अगले 5 साल तक हर साल 1 करोड़ से 1.2 करोड़ रोजगार दे सकता है। इसके अलावा टैक्सटाइल सैक्टर में भी जॉब्स देने की बड़ी संभावना है। हालांकि इस सैक्टर में स्किल अपग्रेडेशन की जरूरत है।

अन्य सैक्टर में हैं नौकरियां देने की संभावना

एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत का कहना है कि देश में हर साल कम से कम 1.5 करोड़ से 2 करोड़ नौकरियों की जरूरत है। ऐसे में रोजगार के नए सैक्टरों पर नजर डालने की जरूरत है। ये सैक्टर न सिर्फ एक्सपोर्ट से जुड़े हों बल्कि देश के अंदर भी व्यापक संभावना हो। रिपोर्ट के अनुसार बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन एंड रियल एस्टेट में 2013 में 4.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। इस सैक्टर में 3.11 करोड़ लोगों को रोजगार देने की क्षमता है लेकिन यह सैक्टर फिलहाल कई दिक्कतों से जूझ रहा है। यह कई अन्य कारणों के अलावा हाई डेट, नॉन-परफॉर्मिंग एसेट, हाऊसिंग प्रोजेक्ट की डिलीवरी में देरी जैसी परेशानियों का सामना कर रहा है। इसके अलावा रेगुलेटरी दिक्कतें भी बढ़ी हैं। अगर सैक्टर की इन समस्याओं पर विचार किया जाए और दूर करने के प्रयास हों तो यह रोजगार देने में बड़ी भूमिका दे सकता है।

